RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
दिसंबर
14
2024

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

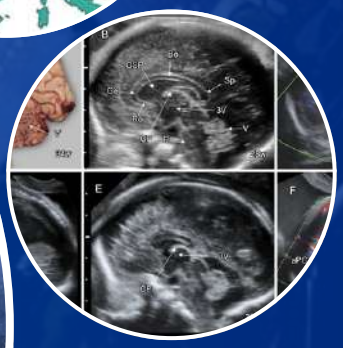

By Ankit Avasthi Sir

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद / United Nations Security Council

पाकिस्तान 1 जनवरी, 2025 से दो साल के कार्यकाल के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) का अस्थायी सदस्य बनेगा। यह पाकिस्तान का आठवां कार्यकाल है।

मुख्य बिंदु:

1. **अवधि:** कार्यकाल: 2025-2026 (दो वर्ष)।
2. **सदस्यता इतिहास:** यह पाकिस्तान का UNSC में आठवां अस्थायी सदस्य कार्यकाल है।
3. **OIC का प्रतिनिधित्व:** 10 निर्वाचित सदस्यों में से आधे इस्लामी सहयोग संगठन (OIC) से होंगे।
4. **नए सदस्य:** पाकिस्तान, डेनमार्क, ग्रीस, पनामा और सोमालिया।
5. **स्थानापन्न देश:**
    - ये देश इक्वाडोर, जापान, माल्टा, मोज़ाम्बिक और स्विट्जरलैंड का स्थान लेंगे।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) में पाकिस्तान की अस्थायी सदस्यता का महत्व:

पाकिस्तान का 2025-2026 के लिए UNSC का अस्थायी सदस्य चुना जाना कई महत्वपूर्ण पहलुओं को दर्शाता है:

1. इस्लामी सहयोग संगठन (OIC) का प्रतिनिधित्व:

- पाकिस्तान की सदस्यता के साथ, चुने गए 10 में से आधे सदस्य OIC से होंगे।
- यह UNSC में इस्लामी देशों के मुद्दों पर चर्चा और निर्णय लेने में OIC के प्रभाव को दर्शाता है।

2. कूटनीतिक प्रभाव:

- पाकिस्तान, अफगानिस्तान में तालिबान के साथ अपने संबंध मजबूत करने और क्षेत्रीय राजनीति में अपनी भूमिका बढ़ाने की कोशिश करेगा।
- रूस और चीन जैसे सहयोगी देशों का समर्थन उसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कूटनीतिक बढ़त दे सकता है।

3. प्रमुख मुद्दों पर फोकस:

- पाकिस्तान शांति स्थापना, मानवतावादी सहायता, गाजा और कश्मीर जैसे विवादित क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना चाहता है।
- आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को अपनी प्राथमिकता बताकर वह अपने देश से जुड़े आतंकवाद के मुद्दों से ध्यान हटाने का प्रयास कर सकता है।

पाकिस्तान की UNSC में रणनीति:

1. भारत विरोधी अभियान:

- पाकिस्तान कश्मीर मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मंच पर उठाने और भारत के खिलाफ दावे पेश करने की कोशिश कर सकता है।
- UNSC में भारत की कार्रवाइयों को मानवाधिकार उल्लंघन के रूप में चित्रित करने का प्रयास संभव है।

2. इस्लामोफोबिया का मुद्दा:

- पाकिस्तान इस्लामोफोबिया को आतंकवाद से जोड़ने की कोशिश कर सकता है।
- OIC देशों के समर्थन से यह नैरेटिव फिर से सामने आ सकता है।

3. शांति स्थापना और मानवीय सहायता:

- पाकिस्तान अपने शांति अभियानों और मानवीय सहायता प्रयासों को प्रमुखता से प्रस्तुत कर खुद को एक जिम्मेदार वैश्विक खिलाड़ी के रूप में दिखाना चाहेगा।

भारत के लिए संभावित चुनौतियाँ:

1. बढ़ता भारत विरोधी प्रचार:

- पाकिस्तान द्वारा जम्मू-कश्मीर में मानवाधिकार हनन और आतंकवाद के आरोपों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर जोर-शोर से उठाया जा सकता है।

2. बहुपक्षीय सहयोग की कमी:

- ऐतिहासिक अनुभव को देखते हुए, पाकिस्तान के सहयोगी देशों द्वारा UNSC में भारत विरोधी प्रस्तावों का समर्थन किया जा सकता है।

3. आतंकवाद के खिलाफ मुद्दों पर दबाव:

- पाकिस्तान खुद को आतंकवाद का शिकार दिखाकर भारत पर भी आतंकवाद समर्थक होने के आरोप लगा सकता है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC):

परिचय:

- UNSC संयुक्त राष्ट्र का एक प्रमुख अंग है, जिसकी स्थापना 1945 में संयुक्त राष्ट्र चार्टर के तहत हुई थी।
- इसका मुख्य उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखना है।
- इसका मुख्यालय न्यूयॉर्क में स्थित है।

सदस्य:

- कुल 15 सदस्य हैं: 5 स्थायी और 10 अस्थायी।
- स्थायी सदस्य: अमेरिका, रूस, फ्रांस, चीन और यूनाइटेड किंगडम।
- अस्थायी सदस्य: 2 साल के लिए चुने जाते हैं। हर साल 5 नए अस्थायी सदस्य चुने जाते हैं।

मतदान प्रक्रिया:

- प्रत्येक सदस्य के पास एक वोट होता है।
- किसी प्रस्ताव को पारित करने के लिए 9 सदस्यों का समर्थन आवश्यक है, जिसमें 5 स्थायी सदस्यों की सहमति होनी चाहिए।
- किसी भी स्थायी सदस्य द्वारा "ना" वोट देने से प्रस्ताव खारिज हो जाता है।

विशेष भागीदारी:

- संयुक्त राष्ट्र के वे सदस्य जो UNSC के सदस्य नहीं हैं, विशेष मामलों में चर्चा में भाग ले सकते हैं, लेकिन उनके पास वोट देने का अधिकार नहीं होता।

यूरोपीय संघ सीमा-मुक्त शेंगेन क्षेत्र / EU border-free Schengen Area

रोमानिया और बुल्गारिया को यूरोपीय संघ के बॉर्डर-फ्री शेंगेन यात्रा क्षेत्र का सदस्य बनने की मंजूरी मिल गई है। 1 जनवरी 2025 से, इन देशों से फ्रांस, स्पेन या नॉर्वे तक बिना पासपोर्ट के यात्रा करना संभव होगा।

- ✓ शेंगेन क्षेत्र में 29 यूरोपीय देश शामिल हैं।

शेंगेन वीजा क्या है?

शेंगेन वीजा एक विशेष यात्रा वीजा है जो यूरोप के शेंगेन क्षेत्र के देशों में आने-जाने की अनुमति देता है। यह वीजा गैर-यूरोपीय नागरिकों के लिए यात्रा को आसान बनाता है, क्योंकि इसके जरिए वे एक ही वीजा पर कई शेंगेन देशों की यात्रा कर सकते हैं।

शेंगेन समझौता:

- **वर्ष:** शेंगेन क्षेत्र का नाम लक्ज़मबर्ग गांव के नाम पर रखा गया है, जहां 1985 में समझौते पर हस्ताक्षर किये गये थे।
- **शुरुआती सदस्य:** बेल्जियम, फ्रांस, जर्मनी, लक्जमबर्ग और नीदरलैंड्स।
- **उद्देश्य:** यूरोप में एक एकीकृत यात्रा क्षेत्र बनाना।
  यह उन देशों को शामिल करने वाला क्षेत्र है जिन्होंने आधिकारिक तौर पर अपनी आपसी सीमाओं पर सीमा नियंत्रण समाप्त कर दिया है। यह दुनिया का सबसे बड़ा मुक्त आवागमन क्षेत्र है।

शेंगेन क्षेत्र के सदस्य देश:

- **यूरोपीय संघ के देश:** जो तकनीकी मानदंडों को पूरा करते हैं और जिनके पास कोई छूट नहीं है, उन्हें शेंगेन क्षेत्र में शामिल होना होता है।
- **गैर-ईयू देश:** स्विट्जरलैंड, नॉर्वे और आइसलैंड जैसे गैर-ईयू देश भी विशेष समझौतों के तहत इस क्षेत्र का हिस्सा हैं।

आंकड़े:

- **देशों की संख्या:** 27 देश
- **कवरेज क्षेत्र:** 4 मिलियन वर्ग किलोमीटर से अधिक।
- **जनसंख्या:** लगभग 420 मिलियन लोग।

बुल्गारिया की शेंगेन में शामिल होने की उपलब्धि:

- **रणनीतिक लक्ष्य हासिल:** बुल्गारिया ने शेंगेन क्षेत्र में शामिल होकर अपने मुख्य रणनीतिक लक्ष्यों में से एक को हासिल कर लिया है। यह बुल्गारियाई नागरिकों और देश की अर्थव्यवस्था के विकास के लिए महत्वपूर्ण कदम है।
- **स्वतंत्र आवागमन की गारंटी:** शेंगेन क्षेत्र 425 मिलियन से अधिक यूरोपीय संघ के नागरिकों को बिना पासपोर्ट नियंत्रण के स्वतंत्र यात्रा, काम और रहने की सुविधा प्रदान करता है।
- **गैर-ईयू नागरिकों के लिए लाभ:** जो लोग कानूनी रूप से यूरोपीय संघ में रहते हैं या पर्यटन, शिक्षा या व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए आते हैं, उन्हें भी शेंगेन क्षेत्र में आवागमन की सुविधा मिलती है।
- **सीमा नियंत्रण व्यवस्था:**
  - आंतरिक सीमाओं पर कोई जांच नहीं होती है।
  - बाहरी सीमाओं पर सख्त नियंत्रण नियम लागू किए जाते हैं।
  - 90 दिनों तक रहने वाले गैर-ईयू नागरिक इन प्रावधानों के तहत आते हैं।

यूरोपीय संघ की सीमा-रहित नीति के फायदे:

1. यात्रियों के लिए:

- **एकल वीजा से यात्रा:** किसी भी देश के नागरिक एक ही शेंगेन वीजा के साथ कई यूरोपीय देशों की यात्रा कर सकते हैं।
- **यात्रा में सुविधा:** बिना बार-बार वीजा प्रक्रिया से गुजरने के, पर्यटन और व्यापार के लिए आसान यात्रा।

2. ईयू देशों के लिए:

- **सीमा-रहित यात्रा:** यूरोपीय संघ के सदस्य देशों के नागरिकों को वीजा-मुक्त और बिना पासपोर्ट के यात्रा की सुविधा मिलती है।
- **सिंगल करेंसी:** 20 यूरोपीय संघ के देशों द्वारा अपनाई गई एकल मुद्रा (यूरो) के साथ यह सुविधा आर्थिक और सामाजिक एकता को मजबूत बनाती है।

3. यूरोपीय एकता का प्रतीक:

- **यूरोपीय एकता की पहचान:** शेंगेन क्षेत्र की अखंडता यूरोप के युद्ध-उपरांत पुनर्निर्माण और एकीकरण की सफलता का प्रतीक है।
- **आर्थिक और सामाजिक लाभ:** सीमा-रहित यात्रा से व्यापार, रोजगार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान में वृद्धि होती है।

शेंगेन क्षेत्र के सामने चुनौतियाँ:

1. आर्थिक संकट: यूरोज़ोन ऋण संकट: पिछले दशक में यूरोज़ोन के संप्रभु ऋण संकट ने शेंगेन क्षेत्र की स्थिरता को गंभीर रूप से प्रभावित किया।

2. शरणार्थी और प्रवासन संकट:

- **शरणार्थियों का आगमन:** अफ्रीका और पश्चिम एशिया के संघर्षग्रस्त क्षेत्रों से हज़ारों शरणार्थियों के आगमन ने शेंगेन क्षेत्र पर भारी दबाव डाला।
- **प्रवासन विरोधी राजनीति:** दूर-दराज़ के लोकलुभावन राजनीतिक दलों द्वारा प्रवासन विरोधी राजनीति ने स्थिति को और जटिल बना दिया।

3. सीमा नियंत्रण का पुन:स्थापन:

- **सीमा नियंत्रण पर पुनर्विचार:** यूरोपीय संघ को कुछ भूमध्यसागरीय सीमा वाले देशों को शेंगेन से बाहर करने पर विचार करना पड़ा।
- **एकतरफा फैसले:** कुछ देशों ने एकतरफा सीमा नियंत्रण लागू करने की संभावना पर भी विचार किया, जिससे शेंगेन की अखंडता को खतरा हुआ।

सोशल डायलॉग रिपोर्ट / Social Dialogue Report

हाल ही में जिनेवा में अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) द्वारा "सोशल डायलॉग रिपोर्ट" जारी की गई।

सोशल डायलॉग रिपोर्ट के मुख्य बिंदु (ILO):

प्रमुख सिफारिशें-

1. श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा:

सरकारों को निम्नलिखित बिंदुओं पर ध्यान देना चाहिए:

- **एसोसिएशन की स्वतंत्रता:** श्रमिकों को संगठित होने की स्वतंत्रता दी जाए।
- **सामूहिक सौदेबाजी का अधिकार:** श्रमिकों और नियोक्ताओं के बीच निष्पक्ष सौदेबाजी की व्यवस्था हो।

2. सामाजिक भागीदारों को सशक्त बनाना:

- **संसाधन और तकनीकी विशेषज्ञता:** श्रम प्रशासन और सामाजिक भागीदारों को संसाधनों और तकनीकी विशेषज्ञता से लैस किया जाए।
- **उच्च-स्तरीय संवाद:** नीतिगत फैसलों में भागीदारी के लिए उन्हें सक्षम बनाया जाए।

3. समावेशिता और मूल्यांकन:

- **समावेशी संस्थान:** राष्ट्रीय संवाद संस्थानों में कम प्रतिनिधित्व वाले समूहों को भी शामिल किया जाए।
- **नियमित मूल्यांकन:** आर्थिक और सामाजिक फैसलों में संवाद की भूमिका का नियमित, तथ्य-आधारित मूल्यांकन किया जाए।

सोशल डायलॉग रिपोर्ट (ILO) के मुख्य निष्कर्ष:

1. अनुपालन में गिरावट:

- **अधिकारों में 7% की गिरावट:** 2015 से 2022 के बीच, संघ बनाने की स्वतंत्रता और सामूहिक सौदेबाजी के अधिकारों के अनुपालन में 7% की कमी हुई।
- **मुख्य कारण:** श्रमिकों, नियोक्ताओं और उनके संगठनों के नागरिक स्वतंत्रताओं और सौदेबाजी के अधिकारों के उल्लंघन से यह गिरावट हुई।

2. वैश्विक परिवर्तन चुनौतियाँ:

- **सामाजिक संवाद की आवश्यकता:**निम्नलिखित क्षेत्रों में बदलाव को प्रबंधित करने के लिए सामाजिक संवाद महत्वपूर्ण है:
    - **निम्न-कार्बन** अर्थव्यवस्थाएँ: पर्यावरण अनुकूल नीतियों को लागू करना।
    - **डिजिटल प्रगति:** तकनीकी विकास के साथ श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा।

सोशल डायलॉग रिपोर्ट क्या है?

यह रिपोर्ट विश्व स्तर पर सामाजिक संवाद तंत्र की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करती है। यह सर्वोत्तम प्रथाओं और चुनौतियों की पहचान करती है और सुधार के लिए ठोस सिफारिशें प्रदान करती है।

रिपोर्ट का उद्देश्य:

1. मूल्यांकन:

- विभिन्न देशों में सामाजिक संवाद की स्थिति का विश्लेषण।
- सफल उदाहरणों को उजागर करना और सुधार की आवश्यकता वाले क्षेत्रों की पहचान।

2. सिफारिशें:

- सरकारों, नियोक्ताओं और श्रमिक संगठनों के लिए सामाजिक संवाद तंत्र को मजबूत करने के उपाय सुझाना।

रिपोर्ट का महत्व:

- **आर्थिक विकास:** आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देना।
- **सामाजिक प्रगति:** समाज में सकारात्मक बदलाव लाना।
- **समावेशी विकास:** सभी के लिए न्यायपूर्ण और समान विकास सुनिश्चित करना।

सोशल डायलॉग के लाभ:

- **आर्थिक और सामाजिक प्रगति:** सामाजिक प्रगति के साथ आर्थिक विकास को संभव बनाता है।
- **समावेशी बदलाव:** कम-कार्बन और डिजिटल बदलाव को निष्पक्ष और समावेशी बनाता है।

ILO?

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी है जो सामाजिक और आर्थिक न्याय को बढ़ावा देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय श्रम मानकों को निर्धारित करती है।

स्थापना:

- अक्टूबर 1919: लीग ऑफ नेशंस के तहत स्थापित।
- मुख्यालय: जिनेवा, स्विट्ज़रलैंड।
- सदस्य देश: 187

भारत और ILO:

- भारत ILO का संस्थापक सदस्य है।

वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप / World Chess Championship

भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने 18 साल की उम्र में सिंगापुर में वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप का खिताब जीतकर सबसे युवा विश्व शतरंज चैंपियन बन गए।

- ✓ उन्होंने फाइनल में चीन के डिफेंडिंग चैंपियन डिंग लिरेन को 7.5-6.5 से हराकर यह उपलब्धि हासिल की।

मुख्य बिंदु

1. **कम उम्र में इतिहास रचा:** डी गुकेश ने 18 साल की उम्र में वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप जीतकर इतिहास बनाया।
2. **दुनिया के पहले खिलाड़ी:** इतनी कम उम्र में यह खिताब जीतने वाले गुकेश दुनिया के पहले खिलाड़ी बने।
3. **गैरी कैस्परोव का रिकॉर्ड टूटा:** इससे पहले रूस के गैरी कैस्परोव ने 1985 में 22 साल की उम्र में यह खिताब जीता था।
4. **14वें गेम में निर्णायक जीत:** गुकेश ने फाइनल में डिंग लिरेन को 14वें गेम में हराकर 7.5-6.5 से खिताब जीता।
5. **कड़ा मुकाबला:** 25 नवंबर से 11 दिसंबर तक फाइनल में दोनों खिलाड़ियों के बीच 13 गेम खेले गए, जिनमें स्कोर 6.5-6.5 रहा।
6. **अंतिम गेम में जीत:** 14वें गेम में जीत के साथ गुकेश ने एक पॉइंट की बढ़त हासिल कर खिताब अपने नाम किया।

प्रथम विश्व शतरंज चैंपियन और विजेता

- ✓ **विल्हेम स्टेनिट्ज़** को 1886 में पहला आधिकारिक विश्व शतरंज चैंपियन घोषित किया गया। उन्होंने अपनी अनोखी स्थितिगत खेल शैली (Positional Chess) के जरिए शतरंज की दुनिया में अपना वर्चस्व स्थापित किया।

प्रतियोगिताओं के प्रकार:

1. **विश्व शतरंज चैंपियनशिप:** FIDE द्वारा आयोजित विश्व स्तरीय शतरंज चैंपियनशिप, जहां दुनिया भर के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भाग लेते हैं।
2. **राष्ट्रीय और महाद्वीपीय चैंपियनशिप:** विभिन्न राष्ट्रीय और महाद्वीपीय चैंपियनशिप, जो खिलाड़ियों को अपनी क्षमताओं को प्रदर्शित करने का मंच प्रदान करती हैं। ये घटनाएं प्रतिभा की पहचान करने और क्षेत्रीय स्तर पर शतरंज को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण हैं।
3. **आमंत्रणीय टूर्नामेंट:** आमंत्रण आधारित टूर्नामेंट, जैसे कि टाटा स्टील टूर्नामेंट और मेलोडी एम्बर टूर्नामेंट, जो दुनिया भर के शीर्ष खिलाड़ियों को एकत्र करते हैं ताकि रोमांचक मैच खेले जा सकें। ये टूर्नामेंट अक्सर यादगार खेलों का उत्पादन करते हैं।
4. **टीम प्रतियोगिताएं:** शतरंज ओलंपियाड और यूरोपीय टीम शतरंज चैंपियनशिप प्रमुख टीम घटनाएं हैं जो राष्ट्रों के बीच मित्रता और प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देती हैं। इन घटनाओं में शतरंज टीमों की सामूहिक ताकत को प्रदर्शित किया जाता है।

Fédération Internationale des échecs (FIDE):

1. **FIDE:** शतरंज का अंतरराष्ट्रीय शासी निकाय, जिसे इसके फ्रांसीसी संक्षेप FIDE (Fédération Internationale des échecs) के नाम से भी जाना जाता है, अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ है।
2. **सदस्यता:** FIDE की सदस्यता 180 से अधिक देशों के राष्ट्रीय शतरंज संगठनों की है। इसके अलावा, इसमें कई सहायक सदस्य भी हैं, जिनमें इंटरनेशनल ब्रेल शतरंज एसोसिएशन (IBCA), इंटरनेशनल कमेटी ऑफ शतरंज फॉर द डेफ (ICCD), और इंटरनेशनल फिजिकल्ली डिसेबल्ड शतरंज एसोसिएशन (IPCA) शामिल हैं।
3. **अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (IOC):** FIDE अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति द्वारा खेलों का शासी निकाय माना जाता है, बावजूद इसके कि शतरंज कभी ओलंपिक खेलों का हिस्सा नहीं रहा।
4. **19वीं सदी में शतरंज का संगठित विकास:** 19वीं सदी में शतरंज का संगठित विकास हुआ और इसके बाद FIDE अंतर्राष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिताओं का आयोजन करने लगा।
5. **पहली विश्व शतरंज चैंपियन:** विल्हेम स्टेनिट्ज़ ने 1886 में पहली बार विश्व शतरंज चैंपियन का खिताब जीता। मौजूदा विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन हैं।
6. **कंप्यूटर का प्रभाव:** प्रारंभ में, कंप्यूटर वैज्ञानिकों का उद्देश्य एक शतरंज खेलने वाली मशीन विकसित करना था। 1997 में, डीप ब्लू ने गररी कस्पारोव को हराकर पहला कंप्यूटर बना जिसने एक विश्व चैंपियन को पराजित किया।
7. **आधुनिक शतरंज इंजन:** आधुनिक शतरंज इंजन शीर्ष मानव खिलाड़ियों से बहुत मजबूत हैं और शतरंज सिद्धांत के विकास में एक महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है।

डिजीज एक्स / Disease X

दिसंबर 2024 के पहले सप्ताह में कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में अज्ञात बीमारी के प्रकोप ने 400 से अधिक लोगों की जान ले ली, जिसे 'डिजीज एक्स' होने का संदेह है।

डिजीज एक्स क्या है?

डिजीज एक्स एक काल्पनिक शब्द है, जिसे 2018 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने पेश किया था। यह एक अज्ञात रोगजनक (पैथोजन) को संदर्भित करता है, जो वैश्विक महामारी या महामारी का कारण बन सकता है।

उत्पत्ति:

यह शब्द 2014-2016 के पश्चिम अफ्रीका में इबोला प्रकोप के बाद प्रासंगिक हुआ, जिसने महामारी की तैयारी में खामियों को उजागर किया।

अर्थ:

- **ज्ञात अज्ञात (Known Unknowns):** ऐसे खतरे जिनके बारे में हमें जानकारी है, लेकिन हम उन्हें पूरी तरह से नहीं समझते।
- **अज्ञात (Unknowns):** ऐसे खतरे जिनके बारे में हमें कोई जानकारी नहीं है।

डिजीज एक्स क्यों है चिंताजनक ?

1. **अनिश्चितता:** डिजीज एक्स की उत्पत्ति, प्रसार और प्रभाव अप्रत्याशित हैं, जिससे इसकी तैयारी करना मुश्किल हो जाता है।
2. **वैश्वीकृत दुनिया:** बढ़ती यात्रा, व्यापार और परस्पर जुड़ाव के कारण रोगों का विश्व स्तर पर तेजी से फैलना आसान हो गया है।
3. **पर्यावरणीय कारक:** वनों की कटाई, शहरीकरण और जलवायु परिवर्तन पारिस्थितिक तंत्र को प्रभावित कर रहे हैं, जिससे जानवरों से फैलने वाले रोगों का खतरा बढ़ गया है।
4. **सीमित जानकारी:** हम उन रोगजनकों का केवल एक छोटा हिस्सा जानते हैं, जो संभावित रूप से मनुष्यों को संक्रमित कर सकते हैं।

डिजीज एक्स के कारण:

1. **रोगजनक प्रकार:**
   - यह वायरस, बैक्टीरिया, परजीवी, फंगस, प्रायन या अन्य सूक्ष्मजीव हो सकते हैं।
2. **ज़ूनोटिक स्पिलओवर:**
   - अधिकांश उभरती बीमारियां (70%) जानवरों से फैलती हैं। इसके प्रमुख कारण हैं:
     - वनों की कटाई
     - मानवों द्वारा वन्यजीव आवासों में अतिक्रमण
     - कृषि का विस्तार
3. **अन्य जोखिम:**
   - एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध
   - प्रयोगशाला से रिसाव
   - जैविक आतंकवाद
   - जलवायु परिवर्तन, जो रोगों के फैलाव को प्रभावित करता है।

डिजीज एक्स की भविष्यवाणी और तैयारी में चुनौतियाँ:

1. **अप्रत्याशित उभरना:**
   - नए रोगों के उभरने वाले कारकों की जटिलता के कारण उनकी भविष्यवाणी करना कठिन है।
2. **विस्तृत रोगजनक भंडार:**
   - वन्यजीवों में लाखों अज्ञात वायरस हैं, जो मनुष्यों तक फैलने की क्षमता रखते हैं।
3. **जलवायु परिवर्तन:**
   - यह रोगों के फैलाव के स्वरूप को बदल रहा है और वेक्टर जनित बीमारियों की सीमा को बढ़ा रहा है।
4. **संसाधनों की असमानता:**
   - देशों के बीच स्वास्थ्य देखभाल बुनियादी ढांचे में अंतर प्रभावी प्रतिक्रिया में बाधा डाल सकता है।

वैश्विक और राष्ट्रीय पहलें:

1. **WHO की प्राथमिक रोगजनक सूची:**
   - डिजीज एक्स को इस सूची में शामिल करना शोध और चिकित्सा उपायों के विकास की आवश्यकता को दर्शाता है।
2. **वैश्विक पहल:**
   - WHO महामारी संधि, महामारी कोष, mRNA तकनीक केंद्र और अन्य पहलें वैश्विक सहयोग और तैयारी को मजबूत करने के लिए काम कर रही हैं।
3. **भारतीय पहलें:**
   - भारत में IDSP (एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम), राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान और बायोटेक अनुसंधान कार्यक्रम जैसे प्रयास रोगों की निगरानी, शोध और वैक्सीन विकास पर केंद्रित हैं।

भ्रूण मस्तिष्क मैपिंग / Fetal brain mapping

आईआईटी मद्रास के वैज्ञानिकों ने गर्भावस्था की दूसरी तिमाही से विकसित हो रहे भ्रूण के मस्तिष्क का सबसे विस्तृत 3D नक्शा तैयार किया है। यह नक्शा मानव मस्तिष्क के विकास की कोशिकीय-स्तर की जानकारी प्रदान करता है।

भ्रूण मस्तिष्क मैपिंग की मुख्य विशेषताएं:

धारिणी (Dharini):

- यह एक ओपन-एक्सेस डाटासेट है, जिसमें 5,000 से अधिक मस्तिष्क खंड और 500+ मस्तिष्क क्षेत्र शामिल हैं।
- यह गर्भावस्था की दूसरी तिमाही (14-24 सप्ताह) के दौरान मस्तिष्क की तेजी से विकास पर केंद्रित है।
- संपूर्ण तकनीक, जैसे फ्रीजिंग, स्लाइसिंग, इमेजिंग और डिजिटलीकरण, आईआईटी-मद्रास के शोधकर्ताओं द्वारा विकसित की गई है।

स्नायु-विज्ञान अनुसंधान के लिए प्रभाव:

- **विकासात्मक विकारों की समझ:** डेटा ऑटिज्म जैसे जटिल विकासात्मक विकारों के रहस्यों को सुलझाने में मदद कर सकता है।
- **मस्तिष्क विकास की जानकारी:** भ्रूण के मस्तिष्क के विकास को कोशिकीय स्तर पर समझने में सहायक।
- **जीन-पर्यावरण संबंध:** यह अध्ययन करने का मंच प्रदान करता है कि कैसे जीन और पर्यावरणीय कारक मस्तिष्क रसायन को प्रभावित करते हैं।

मातृ स्वास्थ्य पर ध्यान:

- **गर्भावस्था के दौरान संवेदनशीलता:** मस्तिष्क का विकास मातृ पोषण, तनाव और संक्रमण के प्रति अत्यधिक संवेदनशील होता है।
- **सार्वजनिक स्वास्थ्य संदेश:** स्वस्थ भ्रूण विकास के लिए मातृ स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण और पर्यावरणीय आवश्यकताओं को पूरा करने की तत्काल आवश्यकता पर जोर देता है।

राष्ट्रीय प्रासंगिकता:

- **यूनीसेफ रिपोर्ट:** भारत में हर साल 2.5 करोड़ बच्चों का जन्म होता है, जो दुनिया के कुल जन्मों का लगभग पांचवां हिस्सा है।
- **नीति निर्माण में सहयोग:** सरकार की विभिन्न पहलों के बावजूद, भारत में कई गर्भवती महिलाओं को उचित पोषण और स्वास्थ्य देखभाल की कमी होती है। यह एटलस साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण में मदद कर सकता है।

अंतर-विषयक अनुप्रयोग:

- **कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI):** मस्तिष्क की कार्यप्रणाली की गहरी समझ एआई प्रौद्योगिकी में उन्नति में योगदान दे सकती है।

भ्रूण मस्तिष्क मानचित्र की महत्वता:

1. **अद्वितीय डेटा सेट:** गर्भ में मस्तिष्क विकास के शुरुआती चरणों की जानकारी।
2. **विकास संबंधित धारणाओं को चुनौती:** मस्तिष्क संरचनाओं के विकास के समय को पुन: परिभाषित किया।
3. **विकासात्मक विकारों की समझ:** ऑटिज्म, सेरेब्रल पाल्सी जैसे विकारों के कारण समझने में मदद।
4. **मानसिक स्वास्थ्य अनुसंधान:** मानसिक रोगों और वयस्क मस्तिष्क परिवर्तनों की नई जानकारी।
5. **वैश्विक अनुसंधान प्रेरणा:** वैश्विक शोध और कृत्रिम बुद्धिमत्ता में प्रगति।

मैपिंग में उपयोग की गई तकनीक के बारे में:

1. **उन्नत इमेजिंग:**
   - दूसरी तिमाही में मृत भ्रूणों के मस्तिष्क को फ्रीज किया गया।
   - इन्हें बाल से भी पतले (10-20 माइक्रोन) स्लाइस में काटा गया।
2. **विस्तृत इमेजिंग:**
   - इन स्लाइसों को माइक्रोस्कोपिक इमेजिंग तकनीक से अत्यधिक विस्तार से चित्रित किया गया।
   - 3D मस्तिष्क मानचित्र बनाने के लिए इन छवियों को एकीकृत किया गया।
3. **स्वदेशी प्रौद्योगिकी:**
   - सभी उपकरण और तकनीक जैसे फ्रीजिंग, स्लाइसिंग, प्लेट निर्माण, डिजिटाइजेशन और मैपिंग आईआईटी मद्रास के शोधकर्ताओं द्वारा विकसित की गई।

भारत में तस्करी 2023-2024 / Trafficking in India 2023-2024

अपने 67वें स्थापना दिवस के अवसर पर, राजस्व खुफिया निदेशालय (DRI) ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट "भारत में तस्करी 2023-2024" जारी की।

"भारत में तस्करी 2023-2024" रिपोर्ट की मुख्य बातें:

1. ड्रग तस्करी:

- **कोकीन तस्करी:** भारत में कोकीन की तस्करी में तेज़ी देखी गई है, खासकर दक्षिण अमेरिका और अफ्रीकी देशों से।
- **ब्लैक कोकीन:** तस्करों द्वारा "ब्लैक कोकीन" का इस्तेमाल, जो कोयला या आयरन ऑक्साइड जैसे रसायनों से छिपाई जाती है, जिससे इसे पहचानना मुश्किल हो जाता है।
- **हाइड्रोपोनिक गांजा:** अमेरिका, थाईलैंड और अन्य देशों से गांजे की तस्करी बढ़ी है।

2. सोने की अवैध तस्करी:

- भारत में पश्चिम एशिया (यूएई, सऊदी अरब) से सोने और चांदी की अवैध तस्करी तेज़ हो गई है।
- तस्कर अब विदेशी नागरिकों, परिवारों और आंतरिक सूत्रों का उपयोग कर रहे हैं।

3. पूर्वी सीमा पर तस्करी:

- बांग्लादेश और म्यांमार की सीमाओं से अवैध ड्रग्स, खासकर मेथामफेटामाइन की तस्करी में वृद्धि।
- असम और मिजोरम जैसे पूर्वोत्तर राज्यों में बड़ी चुनौती।

4. पर्यावरण और वन्यजीव अपराध:

- हाथी दांत, तारेदार कछुए, मोर, पैंगोलिन और तेंदुए जैसे जानवरों की अवैध तस्करी की आशंका बढ़ी है।
- दक्षिण-पूर्व एशिया में इनकी बढ़ती मांग चिंता का विषय है।

5. व्यापार समझौतों का दुरुपयोग:

- आयात वस्तुओं की गलत वर्गीकरण और नकली दस्तावेज़ों के माध्यम से मुक्त व्यापार समझौतों (FTAs) का दुरुपयोग भी सामने आया है।

मादक पदार्थों की तस्करी:

- **जप्त किए गए मादक पदार्थ:** 2023-24 में, राजस्व खुफिया निदेशालय (DRI) ने 8,223 किलोग्राम से अधिक मादक और मनोदैहिक पदार्थ जब्त किए। इसमें 107.31 किग्रा कोकीन, 48.74 किग्रा हेरोइन, 136 किग्रा मेथामफेटामाइन और 7348.68 किग्रा गांजा शामिल हैं।
- **कोकीन तस्करी में वृद्धि:**
  - कोकीन तस्करी के मामलों में तेजी आई है, खासकर हवाई मार्गों से।
  - 2022-23 में 21 मामलों की तुलना में 2023-24 में 47 मामले दर्ज किए गए।
  - कोकीन भारत में तस्करी के मामलों में एकमात्र मादक पदार्थ है जिसमें लगातार वृद्धि देखी जा रही है।

सोने की तस्करी और सिंडिकेट:

- **प्रमुख समस्या:** भारत में सोने की तस्करी एक बड़ी समस्या बनी हुई है, खासकर भूमि सीमाओं और हवाई अड्डों के माध्यम से।
- **मुख्य स्रोत:** तस्करी का अधिकांश सोना और चांदी पश्चिम एशिया (यूएई, सऊदी अरब) से आता है।
- **जप्तियाँ:** 2023-24 में DRI ने 1,319 किग्रा सोना जब्त किया, जिसमें 55% भूमि मार्ग और 36% हवाई मार्ग से तस्करी हुई।
- **स्मगलिंग तरीके:** तस्करी सिंडिकेट ने "म्यूल्स" (अनजान वाहक) के रूप में विदेशी नागरिकों और हवाई अड्डे के अंदरूनी लोगों का उपयोग किया।

सिगरेट और सुपारी की तस्करी:

- **सिगरेट:** DRI ने अंतरराष्ट्रीय सिगरेट तस्करी नेटवर्क को बाधित किया और 2023-24 में 91 मिलियन तस्करी किए गए सिगरेट स्टिक जब्त किए, जिनकी कीमत 178.82 करोड़ रुपये आंकी गई।
- **सुपारी:** घरेलू मांग और मूल्य अंतर के कारण सुपारी की तस्करी बढ़ी है।
- **सीमावर्ती संचालन:** DRI ने भारत-म्यांमार और बांग्लादेश सीमा और समुद्री मार्गों पर तस्करी के कई मामले उजागर किए।
- **जप्तियाँ:** 2023-24 में 6,377.925 मीट्रिक टन सुपारी जब्त की गई।

डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस:

- **डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (DRI):** यह भारत सरकार के केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (CBIC) के अंतर्गत कार्य करने वाली प्रमुख खुफिया और प्रवर्तन एजेंसी है, जो तस्करी के मामलों से निपटती है।
- **स्थापना:** इसकी स्थापना 4 दिसंबर 1957 को हुई थी।
- **मुख्यालय:** इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है, जिसमें 12 ज़ोनल यूनिट्स, 35 क्षेत्रीय इकाइयाँ और 15 उप-क्षेत्रीय इकाइयाँ शामिल हैं।

युवा सहकार योजना / Youth cooperation scheme

हाल ही में सहकारिता मंत्री ने लोकसभा में इस योजना की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डाला। **युवा सहकार योजना** का उद्देश्य सहकारी समितियों के माध्यम से **युवा उद्यमिता** और **नवाचार** को बढ़ावा देना है। यह योजना विशेष रूप से नए और अभिनव विचारों वाली **नवगठित सहकारी समितियों** को प्रोत्साहित करती है।

योजना की मुख्य विशेषताएँ:

1. **प्रोत्साहन और सहायता:**
   - न्यूनतम **3 महीने** से परिचालन में चल रही युवा सहकारी समितियों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।
   - दीर्घकालिक ऋण (5 वर्ष तक) के साथ 2% ब्याज अनुदान दिया जाता है।
   - अन्य सरकारी योजनाओं के तहत उपलब्ध सब्सिडी को इस योजना के साथ जोड़ा जा सकता है।
2. **वित्तीय प्रावधान:**
   - योजना को **राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी)** द्वारा लागू किया जा रहा है।
   - एनसीडीसी ने **₹1000 करोड़ का समर्पित कोष** इस योजना के लिए निर्धारित किया है।
3. **लक्षित क्षेत्र:**
   - **पूर्वोत्तर क्षेत्र** और **आकांक्षी जिलों** की सहकारी समितियों को अतिरिक्त प्रोत्साहन।
   - महिलाओं, अनुसूचित जाति (SC), और अनुसूचित जनजाति (ST) के उम्मीदवारों को विशेष लाभ दिए जाते हैं।
4. **संबंध:**
   - योजना को **"सहकार 22"** पहल के तहत डिजाइन किया गया है, जिसका उद्देश्य 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करना था।
   - यह **सहकारी स्टार्ट-अप और नवाचार कोष** से जुड़ी हुई है।

उद्देश्य:

- युवाओं को **सहकारी मॉडल** अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना।
- आर्थिक गतिविधियों में **सतत विकास** को बढ़ावा देना।
- ग्रामीण और आकांक्षी क्षेत्रों में **सहकारी आंदोलन** को मजबूत करना।

लाभ:

1. **युवाओं के लिए अवसर:** सहकारी समितियों के माध्यम से स्वरोजगार और उद्यमशीलता के नए विकल्प।
2. **समाज के वंचित वर्गों को प्रोत्साहन:** महिलाओं और समाज के पिछड़े वर्गों के लिए विशेष प्रावधान।
3. **कृषि और ग्रामीण विकास:** सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों और ग्रामीण उद्यमियों की सहायता।
4. **नवाचार को बढ़ावा:** नई तकनीकों और विचारों को कार्यान्वित करने के लिए समर्थन।

निष्कर्ष: युवा सहकार योजना सहकारिता आंदोलन को सशक्त बनाने और युवाओं को आर्थिक गतिविधियों में भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करने का एक प्रभावी साधन है। यह योजना सहकारी मॉडल के माध्यम से न केवल युवाओं को आत्मनिर्भर बना रही है, बल्कि देश के सतत विकास और सामाजिक समावेश में भी योगदान दे रही है।

जल जीवन मिशन / Jal Jeevan Mission

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिलाओं को सशक्त बनाने में, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में, जल जीवन मिशन की भूमिका पर प्रकाश डाला।

जल जीवन मिशन (JJM) और महिलाओं का सशक्तिकरण:

महिलाओं के सशक्तिकरण में जल जीवन मिशन की भूमिका:

1. **समय की बचत:**
   - ग्रामीण इलाकों में महिलाएं पानी लाने के लिए दूर-दूर तक पैदल जाती थीं।
   - जल जीवन मिशन के तहत घरों में नल से जल मिलने से उनका समय बच रहा है।
   - यह समय वे शिक्षा, कौशल विकास या आय अर्जित करने जैसे कार्यों में लगा सकती हैं।
2. **स्वास्थ्य और कल्याण:**
   - साफ पानी मिलने से जलजनित बीमारियों का खतरा कम हो गया है।
   - इससे महिलाओं और उनके परिवारों की सेहत में सुधार हुआ है।
   - बेहतर स्वास्थ्य के चलते उनकी कार्यक्षमता बढ़ी है।
3. **आर्थिक अवसर:**
   - समय और स्वास्थ्य में सुधार के साथ महिलाएं कार्यबल में अधिक सक्रियता से भाग ले रही हैं।
   - इससे वे घर की आय और आर्थिक विकास में योगदान दे रही हैं।
   - एसबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, महिलाओं की उत्पादक गतिविधियों में 7.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।
4. **शिक्षा का प्रोत्साहन:**
   - पहले पानी लाने के कारण स्कूल से वंचित रहने वाली लड़कियां अब नियमित रूप से स्कूल जा रही हैं।
   - इससे उनकी शिक्षा में सुधार हो रहा है और भविष्य में बेहतर अवसर मिल सकते हैं।
5. **सामाजिक सम्मान:**
   - पानी लाने के बोझ से मुक्त होकर महिलाओं की सामाजिक स्थिति में सुधार हुआ है।
   - इससे उन्हें अपने समुदाय में अधिक आवाज और सम्मान मिल रहा है।

जल जीवन मिशन (JJM): एक परिचय

1. **लक्ष्य:**
   - अगस्त 2019 में शुरू किया गया यह मिशन हर ग्रामीण परिवार को 2024 तक नल से जल की सुविधा प्रदान करने का लक्ष्य रखता है।
   - "WASH" (जल, स्वच्छता और स्वच्छता) आधारित गांव विकसित करने की दिशा में काम करना।
2. **प्रगति और उपलब्धियां:**
   - 2019 में केवल 3.23 करोड़ (17%) घरों में नल कनेक्शन था, जो अक्टूबर 2024 तक बढ़कर 15.35 करोड़ (79.31%) हो गया।
   - कई राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में 100% कवरेज।
3. **मुख्य घटक:**
   - जल गुणवत्ता सुनिश्चित करना।
   - जल स्रोतों की स्थिरता बनाए रखना।
   - ग्रेवाटर (उपयोग किए गए पानी) का प्रबंधन करना।

निष्कर्ष:

जल जीवन मिशन सतत विकास लक्ष्यों (SDG-6: स्वच्छ जल और स्वच्छता) को पूरा करने की दिशा में एक बड़ी पहल है। यह न केवल जल आपूर्ति सुनिश्चित करता है, बल्कि ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण और उनके जीवन को बेहतर बनाने में भी अहम भूमिका निभा रहा है।

ग्रीन स्टील टैक्सोनॉमी / Green Steel Taxonomy

भारत दुनिया का पहला देश है जिसने "ग्रीन स्टील" के लिए टैक्सोनॉमी (परिभाषा और मानक) निर्धारित की है।

यह स्टील सेक्टर में डिकार्बोनाइजेशन (कार्बन उत्सर्जन में कमी) की दिशा में भारत की बड़ी उपलब्धि है।

ग्रीन स्टील टैक्सोनॉमी क्या है?

यह एक ऐसा ढांचा है जो "ग्रीन स्टील" को उसके कार्बन उत्सर्जन की तीव्रता (Emission Intensity) के आधार पर परिभाषित करता है।

मुख्य विशेषताएँ:

1. **उत्सर्जन की सीमा (Emission Intensity Threshold):**
   - ग्रीन स्टील वह स्टील होगा, जिसका कार्बन उत्सर्जन 2.2 टन CO2e प्रति टन तैयार स्टील से कम होगा।
2. **स्टार रेटिंग सिस्टम:**
   - ग्रीन स्टील को उसके उत्सर्जन की तीव्रता के आधार पर स्टार रेटिंग दी जाएगी:
     - **5 स्टार:** < 1.6 tCO2e/tfs
     - **4 स्टार:** 1.6 – 2.0 tCO2e/tfs
     - **3 स्टार:** 2.0 – 2.2 tCO2e/tfs
3. **उत्सर्जन का दायरा (Scope of Emissions):**
   - **स्कोप 1:** प्रत्यक्ष उत्सर्जन।
   - **स्कोप 2:** ऊर्जा खपत से अप्रत्यक्ष उत्सर्जन।
   - **सीमित स्कोप 3:** आपूर्ति श्रृंखला से अप्रत्यक्ष उत्सर्जन।
4. **नोडल एजेंसी:**
   - नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सेकेंडरी स्टील टेक्नोलॉजी (NISST) मापन, रिपोर्टिंग, सत्यापन और ग्रीन सर्टिफिकेट जारी करने का कार्य करेगा।
5. **समीक्षा:**
   - उत्सर्जन की सीमा को हर तीन साल में समीक्षा कर बेहतर बनाया जाएगा।

ग्रीन स्टील टैक्सोनॉमी के फायदे:

1. **पर्यावरणीय स्थिरता:**
   - स्टील सेक्टर में कार्बन उत्सर्जन घटाकर पर्यावरण की रक्षा।
2. **वैश्विक नेतृत्व:**
   - ग्रीन स्टील मानक निर्धारित कर भारत को एक अग्रणी देश के रूप में स्थापित करना।
3. **बाजार निर्माण:**
   - लो-कार्बन स्टील उत्पादों की मांग बढ़ाना और टिकाऊ तकनीकों को प्रोत्साहित करना।
4. **नीतिगत समन्वय:**
   - ग्रीन स्टील उत्पादन के लिए नीतियां और प्रोत्साहन विकसित करने में सहायता।

चुनौतियाँ:

1. **लागू करना:**
   - उत्सर्जन लक्ष्य को पूरा करने के लिए भारी निवेश और नई तकनीकों की आवश्यकता होगी।
2. **डाटा संग्रह और सत्यापन:**
   - उत्सर्जन मापन और रिपोर्टिंग की सटीकता सुनिश्चित करना।
3. **प्रतिस्पर्धा:**
   - वैश्विक बाजार में भारतीय स्टील की प्रतिस्पर्धात्मकता बनाए रखना।

स्टील सेक्टर के डिकार्बोनाइजेशन के लिए भारतीय प्रयास:

1. **नेशनल मिशन ऑन ग्रीन स्टील (NMGS):**
2. **ग्रीन स्टील सार्वजनिक खरीद नीति (GSPPP):**
3. **स्टील स्क्रैप रीसाइक्लिंग नीति 2019:**
4. **परफॉर्म, अचीव एंड ट्रेड (PAT) योजना:**
5. **कार्बन कैप्चर, उपयोग और भंडारण (CCUS):**

"GET READY FOR A WILD RIDE OF KNOWLEDGE !"

SUBSCRIBE OUR NEW YOUTUBE CHANNEL

ANKIT AVASTHI

Video will be upload soon !

RRB NTPC
TEST SERIES
100+ Mock Test
78 Sectional Test
40+ years PYPs
60+ Current affairs
TEST
Only
99
Per
Year
Buy Now

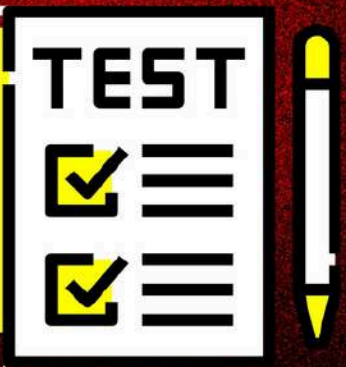

GA FOUNDATION

Hand Written Notes

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

Ankit Inspires India

₹ Only 1999

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

APNI PATHSHALA

UPPSC,RO/ARO,BPSC,UP TEST SERIES

UPPSC
(TEST SERIES)
- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

RO/ARO
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

BPSC
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299 YEAR

SSC (TEST SERIES)
- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

RPF (TEST SERIES)
- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

Download | Application

Apni Pathshala

7878158882

Apni.Pathshala Avasthiankit

AnkitAvasthiSir kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

NCERT COMPLETE

FOUNDATION BATCH

FOR ALL

- POLITY
- ECONOMICS
- HISTORY
- GEOGRAPHY

- DAILY LIVE CLASSES
- , WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTISE PROBLEM

Rs 4999/-

Apni Pathshala 7878158882 Apni.Pathshala kaankit AnkitAvasthiSir Avasthiankit

ONLY
POLITY
1499
RS
DAILY LIVE CLASSES
, WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTISE PROBLEM
Apni Pathshala
7878158882
Apni.Pathshala
kaankit
AnkitAvasthiSir
Avasthiankit

SSC TEST SERIES

CGL, CHSL, MTS, CET, CPO, GD,

Stenographer (Grades C & D)

Only at

99/-Year

Enroll Now !